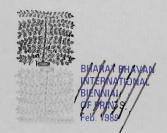


आदर्शिभ रता साहेख,

आपका परा मिला , तरे मिला; शिक्ता मिली, वाम २६२. ही विभा था उसमें तेती आ गर्रे । अब सोपता हैं कि कुछ बड़े बाम करें । हिन्दर्भ विकालवा भी शुरु विभा है। रथव व्यस्त हूं. भार. भाषणार-त. यहवा नास्ता हूं। भारत. भवन के कलाकार छम्मां की एक संस्था भी-३६१२. वहा अर्थ है. तहारी. कार्मक्रम. वहत ही. अप्रातुः २६६ तित्रसमें अभवादासं को चित्राों की-अस्थिती- यमानाला उभाकारता गुंदेचा का खुपदः पमाल वाविशं नमोत्यवा मिलंबं वा वाण्य पाठः वं अमूर्त- काला पर वातचीत । दूसरा आयोगना अवगेष भी- का एक आलेख 'देह का देशकात ' क्टम पर आलेख बहुतं ही संदर क्लियां हैं।



हम लोगां का तीसरा आयोजन भावाजील का हे पांडल प्राल्खनार्जन प्रस्तानी की लिया इन दिनों काफी श्वराम है उनेकु लिए एकं स्ट्रिमकामनारें नाम का कार्यक्रम निस्में भोपाल शहर के वर्रे स्मीतकार अपना आधे धरें का कार्यक्रम प्रस्तुत करेंगे / उस्ताद निया फरीदृद्दीन डागर, उस्तार जतीप स्वां साहेंक, ओम प्रकाश प्रीरसियाजी, स्टमत स्वां स्माहेंक आदि साहेंक /

३२मी छे आधा अंदम्बी जामता भी वदी हैं। इन दिनों अशोद भी ने अयवार में एक बाजम शिर्या हैं। एक आजेरव उन्होंने विमाद जिस्म रहे हैं। किया है अशीत पर भी ित्या है। 28व ित्य रहे हैं। उनकी नभी किलाव "कहीं नहीं वहीं "भी आ पुषी है। 'समार्थ नाम है हम (भी गों की संस्था कां। हो। समार्थ नाम है हम (भी गों की संस्था कां।

3/49/

1:11111